

अनुक्रमणिका

| प्रकरण | | पृष्ठ क्रमांक |
|---------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------|
| | प्रस्तावना | |
| १ | <u>बड़ौदा की संगीत परंपरा (१७६२ से १९५० तक)</u> | २ |
| १ .१ | गायकवाड़ परिवार का बड़ौदा में आगमन | ५ |
| १ .२ | बड़ौदा संस्थान में संगीत का प्रारंभ | १० |
| १ .३ | सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय के शासन काल में संगीत का उत्थान एवं उसकी विकास गाथा | १६ |
| १ .३ .१ | कलावन्त खाते को समृद्ध बनाने की दिशा में महाराजा सयाजीराव के प्रयत्न | १९ |
| १ .३ .२ | कलाकारों की नियुक्ति संबंधित नियम | २१ |
| १ .३ .३ | कलाकारों का वर्गीकरण | २३ |
| १ .३ .४ | अवकाश एवं समय सुचकता संबंधित नियम | २४ |
| १ .३ .५ | वेतन, खर्च तथा दी जाने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित आर्थिक नियम | २६ |
| १ .३ .६ | प्रजावत्सल महाराजा सयाजीराव द्वारा संगीत शिक्षा तथा प्रजा के मनोरंजनार्थ सांगीतिक प्रवृत्तियों को प्रोत्साहन | ३३ |
| १ .३ .७ | गायनशाला के उत्थान हेतु महाराजा के प्रयत्न | ३९ |
| १ .३ .८ | कलावंत कारखाने में नियुक्त कलाकारों का संक्षिप्त परिचय | ५५ |
| २ | <u>उस्ताद मौलाबक्ष का परिचय एवम् सांगीतिक योगदान</u> | ७२ |
| २ .१ . | उस्ताद मौलाबक्ष की पारिवारिक पृष्ठभूमि | ७७ |

| | | |
|----------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| २.२ | उस्ताद मौलाबक्ष की संगीत शिक्षा | 80 |
| २.३. | उस्ताद मौलाबक्ष की सांगीतिक यात्रा | 84 |
| २.४. | गायनशाला कि स्थापना में उस्ताद मौलाबक्ष का योगदान | 98 |
| २.५. | वाद्य-शिक्षण में उस्ताद मौलाबक्ष का योगदान | 108 |
| २.६. | वृन्द-वादन के विकास में उस्ताद मौलाबक्ष का योगदान | 113 |
| २.७. | उस्ताद मौलाबक्ष की समकालीन संगीत शालाएँ | 117 |
| २.८. | संगीत अभ्यासलक्षी ग्रंथ-साहित्य के निर्माण में उस्ताद मौलाबक्ष कि भूमिका | 134 |
| २.९. | संगीत शिक्षा में भारतीय महिलाओं की स्थिति तथा गुजरात में नारी संगीत-शिक्षा के उत्थान में उस्ताद मौलाबक्ष का योगदान | 145 |
| २.१०. | उस्ताद मौलाबक्ष : एक बहुमुखी प्रतिभा | 156 |
| ३ | <u>भारतीय संगीत में स्वरलिपि पद्धति का इतिहास :एक संक्षिप्त अध्ययन</u> | 176 |
| ३.१. | १९वीं शताब्दी में स्वरलिपि के उत्थान में विविध संगीत विद्वानों द्वारा किये गए प्रयत्न | 182 |
| ३.२ | उस्ताद मौलाबक्ष द्वारा निर्मित स्वरलिपि का अध्ययन | 201 |
| ३.३. | उस्ताद मौलाबक्ष जी, भातखंडेजी व पलुस्करजी की स्वरलिपि की तुलना | 235 |
| ३.४. | संगीत में स्वरलिपि के लाभ और हानियाँ | 240 |
| ४ | <u>उस्ताद मौलाबक्ष द्वारा रचित संगीतानुभव व गायनशाला में चलाई जाने वाली गायनों की चीजों के भाग-१ से ६ भाग के पुस्तकों का संक्षिप्त विश्लेषण</u> | 249 |
| ४.१. | संगीतानुभव प्रथम दर्शन पुस्तक का संक्षिप्त में विश्लेषण | 258 |
| ४.२. | गायनशाला में चलाई जाने वाली गायनों की चीजों पुस्तक भाग - १ का संक्षिप्त में विश्लेषण | 300 |
| ४.३. | गायनशाला में चलाई जाने वाली गायनों की चीजों पुस्तक भाग - २ का संक्षिप्त में विश्लेषण | 322 |

| | | |
|------|-------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| ४.४. | गायनशाला में चलाई जाने वाली गायनों की चीजों पुस्तक भाग - ३का संक्षिप्त में विश्लेषण | 342 |
| ४.५. | गायनशाला में चलाई जाने वाली गायनों की चीजों पुस्तक भाग - ४का संक्षिप्त में विश्लेषण | 366 |
| ४.६. | गायनशाला में चलाई जाने वाली गायनों की चीजों पुस्तक भाग - ५का संक्षिप्त में विश्लेषण | 387 |
| ४.७. | गायनशाला में चलाई जाने वाली गायनों की चीजों पुस्तक भाग - ६का संक्षिप्त में विश्लेषण | 395 |
| ४.८. | सातों पुस्तकों की विशेषता | 415 |
| | उपसंहार | 435 |
| | मौलाबक्ष की वंशावली | 451 |
| | मौलाबक्ष व उनसे संबंधित दुर्लभ तस्वीरे | 455 |
| | ग्रंथसूची संदर्भिका | 475 |